जननायक

अपना शहर

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में बीपीएड अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

गीता के ज्ञान को जीवन में अपनाएं मिलेगी सफलता : डॉ. मिश्रा

चित्तौड़गढ़, 7 अप्रैल (कासं.)। बेहतरीन खिलाड़ी वह होता है जो अपनी जीत से तिरंगे की शान को हमेशा ऊपर रखता है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब देश का तिरंगा सबसे ऊपर स्थान लेता है तो यह पल न उस समय उस खिलाड़ी को गर्व महसूस कराता है बल्कि भारत के 140 करोड भारतवासियों को भी गौरवांवित कर देता है। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने भी विश्व सुंदरी प्रतियोगिता में एक प्रश्न के उत्तर में फिल्मकारों की अपेक्षा खिलाड़ी की उपलब्धि को चुना।

यह बात मेवाड़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा ने बीपीएड अंतिम वर्ष की छात्र-छात्राओं की विदाई समारोह के दौरान कही। इस मौके पर खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी बीपीएड द्वितीय वर्ष की स्टूडेंट रितु को भी शील्ड देकर सम्मानित किया। इस मौके पर बीपीएड प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स ने भी रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। गुरूवार की देर शाम तक आयोजित हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थत वाइस चांसलर डॉ .आलोक मिश्रा ने विदाई समारोह में विद्यार्थियों

के उत्साह को बढ़ाते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो हमें श्रीमद् भगवद् गीता के सार को अपनाना होगा। उसमें निहित शाश्वत बातें मनुष्य को असली जीवन का पाठ पढ़ाती है। आत्मविश्वास और सही निर्णय से ही जीवन को सही दिशा दी जा सकती है। आज के युवा ही आने वाले भारत के कल का भविष्य है। इस मौके पर बीएड की प्रिंसिपल डॉ. अरुणा दूबे ने भी स्टुडेंट्स से एल्यूमिनी एसोसिएशन से सदैव जुड़े रहने का आह्वान किया, इससे स्टूडेंट्स और यूनिवर्सिटी के बीच अटूट संबंध बना रहता है। दोनो में से किसी एक की भी उपलब्धि दोनों को हमेशा जोड़कर रखती है। वही बीपीएड के विभागाध्यक्ष डॉ. शांतिलाल बामटा और सहायक प्रोफेसर अभिनव शर्मा ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए सफलता के मंत्र बताए। इस मौके पर जूनियर्स ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर टीचर्स और सीनियर्स को अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों के रूप में एजूकेशन संकाय से डॉ. महेश दूबे, डॉ. पूजा गुप्ता, बीपीएड से सहायक प्रोफेसर दीपक जोशी समेत अन्य संकायों के फैकल्टी मेंबर उपस्थित रहे।

शिक्षा की खबर...

गीता के ज्ञान को अपने जीवन में अपनाएं स्टूडेंट्स, मिलेगी सफलता

चित्तौड़गढ़| बेहतरीन खिलाड़ी वह होता है जो अपनी जीत से तिरंगे की शान को बढ़ाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब तिरंगा सबसे ऊपर होता है तो वह पल उस खिलाड़ी को ही गर्व महसूस नहीं कराता, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों को भी गौरवान्वित करता है। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने भी विश्व सुंदरी प्रतियोगिता में एक प्रश्न के उत्तर में खिलाड़ी की उपलब्धि को चुना। यह उद्‌बोधन मेवाड़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा ने बीपीएड अंतिम वर्ष की छात्र-छात्राओं की विदाई समारोह में दिए। डॉ .मिश्रा ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो भगवद् गीता के सार को अपनाना होगा। इस मौके पर खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी बीपीएड द्वितीय वर्ष की स्टूडेंट रितु को भी शील्ड देकर सम्मानित किया। बीपीएड प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स ने भी रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। बीएड की प्रिंसिपल डॉ. अरुणा दुबे ने भी स्टूडेंट्स से एलुमिनी एसोसिएशन से जुड़े रहने का आह्वान किया। बीपीएड विभागाध्यक्ष डॉ. शांतिलाल बामटा और सहायक प्रोफेसर अभिनव शर्मा ने सफलता के मंत्र बताए। अतिथियों के रूप में डॉ. महेश दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, बीपीएड से सहायक प्रोफेसर दीपक जोशी उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar 08-04-2023

गीता के ज्ञान को अपने जीवन में अपनाएं स्टूडेंट्स

गंगरार,उपखण्ड क्षेत्र के मेवाड़ कॉलेज में सम्मानित करते हुए।

गंगरार। बेहतरीन खिलाड़ी वह होता है जो अपनी जीत से तिरंगे की शान को हमेशा ऊपर रखता है।

यह विचार मेवाड़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा ने बीपीएड अंतिम वर्ष की छात्र-छात्राओं की विदाई समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी बीपीएड द्वितीय वर्ष की स्टूडेंट रितु को भी शील्ड देकर सम्मानित किया।इस मौके पर बीपीएड प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स ने भी रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। गुरूवार की देर शाम तक आयोजित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ .आलोक मिश्रा ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो हमें श्रीमद् भगवद् गीता के सार को अपनाना होगा। उसमें निहित शाश्वत बातें मनुष्य को असली जीवन का पाठ पढ़ाती है। आत्मविश्वास और सही निर्णय से ही जीवन को सही दिशा दी जा सकती है। आज के युवा ही आने वाले भारत के कल का भविष्य है। इस मौके पर बीएड की प्रिंसिपल डॉ. अरुणा दूबे ने भी स्टुडेंट्स से एल्यूमिनी एसोसिएशन से सदैव जुड़े रहने का आह्वान किया। बीपीएड के विभागाध्यक्ष डॉ शांतिलाल बामटा और सहायक प्रोफेसर अभिनव शर्मा ने भी विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए सफलता के मंत्र बतलाएं। एजुकेशन संकाय से डॉ. महेश दूबे, डॉ. पूजा गुप्ता, बीपीएड से सहायक प्रोफेसर दीपक जोशी समेत अन्य संकायों के फैकल्टी मेंबर भी उपस्थित रहे।

Dainik Navajyoti 08-04-2023

'गीता के ज्ञान को अपने ज़ीवन में अपनाएं स्टूडेंट्स'

गंगरार (प्रातःकाल संवाददाता)। बेहतरीन खिलाड़ी वह होता है जो अपनी जीत से तिरंगे की शान को हमेशा ऊपर रखता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब देश का तिरंगा सबसे ऊपर स्थान लेता है हमें श्रीमद् भगवद् गीता के सार को अपनाना होगा। यह बात मेवाड़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा ने बीपीएड अंतिम वर्ष की छात्र-छात्राओं की विदाई समारोह के दौरान रखें। खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी बीपीएड द्वितीय वर्ष की स्टूडेंट रितु को भी शील्ड देकर सम्मानित किया। बीपीएड प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। बीएड की प्रिंसिपल डॉ. अरुणा दूबे ने भी स्टुडेंट्स से एल्यूमिनी एसोसिएशन से सदैव जुड़े रहने का आह्वान किया, इससे स्टूडेंट्स और यूनिवर्सिटी के बीच अटूट संबंध बना रहता है। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों के रूप में एजूकेशन संकाय से डॉ. महेश दूबे, डॉ. पूजा गुप्ता, बीपीएड से सहायक प्रो. दीपक जोशी समेत अन्य संकायों के फैकल्टी मेंबर भी उपस्थित रहे।

Pratahkal 08-04-2023